

श्याम^{SSSS} पिया घर आना
 आना मेरे श्याम पिया घर आना
 अपना बना के ओ बेदर्दी^{SSSS}
 हमको भूल न जाना^{SSS} ॥२॥ न जाना मेरे
 श्याम^{SSS} पिया घर आना-----

सुद-बुद-भूल-गई सब सखियाँ
 कौन इन्हें समझाये^{SSSSS}
 चितवन चंचल-चित भी चंचल
 उलझा नीर बहाये^{SSSSS}
 तुझको कसम है बैरी सँवरिया^{SSSS}
 और नहीं तड़पाना^{SSSS} ॥२॥ तड़पाना मेरे
 श्याम^{SSS} पिया घर आना-----

यमुना के तट - कदम की छैया

सूनी - सूनी लागे

आहत पाय चौक उठ धाऊँ

सारी रैना जागे ५५५५

श्याम सलौने गिरधर मेरे

न कर कोई बहाना ५५५ ॥२॥ बहाना मेरे ----

श्याम पिया घर आना-----

इतनी भूल हुई है मुझसे

तुझको समझ न पाई

किया निहावर जीवन अपना

औ "श्रीबाबाश्री" हरजाई

जाऊँ कहाँ तज चरण तुम्हारे ५५५५५

पाऊँ कहाँ ठिकाना ५५५५ ॥२॥ ठिकाना मेरे

श्याम पिया घर आना-----